

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम उम्मीद उजाला
दिनांक ।.३। २. २०१९ पृष्ठ सं. ६ कॉलम ५.८

जताई इच्छा

जापान के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह से की मुलाकात

जलवायु परिवर्तन, खाद्य उद्योग क्षेत्र में साथ काम करेंगे जापान व एचएयू

अमर उजाला ब्यूरो

हिस्सार। जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एशियाकल्चर, फॉरिस्टी एंड किशोरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने बंगलवाहर वो हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की तथा जलवायु परिवर्तन शामन और खाद्य उद्योग विषयों पर चर्चा की तथा इन थोंगों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की।

कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का



कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ घर्षा करते प्रो. सातोशी तोबिता। - अमर उजाला

स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण चुनौती का शीघ्र समाधान करने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इसका आवश्यक है। इसी प्रकार खाड़ानों, फलों व जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए समिजियों के रखरखाव के दौरान होने वाली एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। इस भारी कठि को कम करने के लिए इनके

प्रयत्नस्करण एवं उत्पाद बनाने के लिए उम्मीद की जहूत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन थोंगों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा।

एक-दूसरे का सहयोग करने पर दिया जोर

कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के सह फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया। इस अवसर पर विदेशी मेहमान प्रो. सातोशी ने हाथियों के कृषि विजियोलॉजी, कृषि औसत विज्ञान, एजोनोमी व ड्राइलेट अनुसंधान क्षेत्रों के आर्थिकता परिवर्तन इन्स्प्रेशन सेंटर, कृषि पर्टन केन्द्र नेहक पुस्तकालय अदि का दैरा भी किया। उन्होंने प्रदेशों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।

चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैरेखनि.....

दिनांक १३. २. २०१९ पृष्ठ सं. ३० कॉलम २-५

जलवायु परिवर्तन पर हक्कवि से सहयोग मांगा

हरिगूरि न्यूज||| हिसार

जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में हक्कवि के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है। जापानी रिसर्च सेंटर के अंतर्गत इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चर, फोरेस्ट्री एण्ड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की तथा जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर विस्तार से चर्चा की और इन क्षेत्रों में हक्कवि के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और

सहयोग के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा है। इसलिए इस चुनौती का शीघ्र समाधान करना बहुत आवश्यक है। इसी प्रकार खाद्यान्नों, फलों व सब्जियों के रख रखाव दौरान होने वाली भारी क्षति को कम करने के लिए इनके प्रसंस्करण एवं उत्पाद बनाने के लिए उद्योग की बहुत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा।

कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने



हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ चर्चा करते प्रो. सातोशी तोबिता।

हक्कवि के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व ड्राइलैंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीबिजनेस इन्यूबेशन सेंटर, कृषि

पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा किया और प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम
दिनांक 13.2.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1.3.....
१३ जनवरी २०१९

कृषि
उत्पादन में
जलवायु
परिवर्तन
बड़ी चुनौती

भारत न्यूज | हिसार

जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एशियाकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में एचएयू के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है। जापानी रिसर्च सेंटर के अंतर्गत इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एशियाकल्चर, फोरेस्ट्री एंड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की। इस दौरान जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर विस्तार से चर्चा की और इन क्षेत्रों में एचएयू के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए

एचएयू और जापान एशियाकल्चर रिसर्च सेंटर एक साथ मिलकर करेंगे काम

कुलपति केपी सिंह ने प्रो. तोबिता के प्रस्ताव का स्वागत किया



एचएयू में मंगलवार को कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ चर्चा करते हुए जापान से आए प्रो. सातोशी तोबिता।

पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा है। इसलिए इस चुनौती का शीघ्र समाधान करना बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने एचएयू के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एयोनॉमी व ड्राइलैंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एशियजनेस इन्ड्यूशन

फलों व सब्जियों को प्रिजर्व करने की जरूरत

खाद्यान्नों, फलों व सब्जियों के रखरखाव के दौरान होने वाली भारी क्षति को कम करने के लिए इनके प्रसंस्करण एवं उत्पाद बनाने के लिए उद्योग की बहुत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा। वीसी ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया।

सेंटर, कृषि पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा किया और प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब के सरी
दिनांक 13.2.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 8



कुलपति प्रो. के.पी.सिंह के साथ चर्चा करते
हुए प्रो. सातोशी तोबिता

हक्कि के साथ मिलकर काम करेगा जापान इंटरनैशनल रिसर्च सेंटर फार एग्रीकल्चरल साइंस

हिसार, 12 फरवरी (ब्यूरो): जापान इंटरनैशनल रिसर्च सेंटर फार एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है।

जापानी रिसर्च सेंटर के अंतर्गत इंटरनैशनल रिसर्च सेंटर फार एग्रीकल्चर, फोरेस्टी एंड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ मुलाकात की तथा जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर विस्तार से चर्चा की और इन क्षेत्रों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। कुलपति ने प्रो.

निदेशक
प्रो. सातोशी
तोबिता ने की
हक्कि
कुलपति से
गुलाकात

तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने हक्कि के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व ड्राइलैंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीबिजनेस इन्यूबोशन सेंटर, कृषि पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम
दिनांक १३.२.२०१९ पृष्ठ सं. १३ कॉलम १-३.....
४१८ जागरूक

पहल

फोरेस्ट्री एंड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी ने एचएयू के कुलपति से की मुलाकात

जलवायु पर जापान संग शोध करेगा हक्की

जागरण संवाददाता, हिसार : जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है। जापानी रिसर्च सेंटर के तहत इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चर, फोरेस्ट्री एंड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की। जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इन क्षेत्रों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि

सहमति

- जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने एचएयू के साथ काम करने की जताई इच्छा



जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा है। इसलिए इस चुनौती का शीघ्र समाधान करना बहुत आवश्यक है। इसी प्रकार खाद्यान्नों, फलों व सब्जियों के रख-रखाव के दौरान होने वाली भारी क्षति को कम करने के लिए इनके प्रसंस्करण एवं उत्पाद बनाने के लिए उद्योग की बहुत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा। कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण और

अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने हक्की के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व ड्राइलेंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीबिजनेस इन्यूब्रेशन सेंटर, कृषि पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दैरा किया और प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

सिटी पल्स

दिनांक 12.2.2019

पृष्ठ सं. ३ कॉलम १-५

जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा है: कुलपति

जेआईआर सैंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने एचएयू के साथ मिलकर कार्य करने की कही बात

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है। उपरोक्त जापानी रिसर्च सैंटर के अंतर्गत इंटरनेशनल रिसर्च सैंटर फॉर एग्रीकल्चर, फारेस्ट्री एड फिल्शरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ मुलाकात की तथा जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर चर्चा की और इन क्षेत्रों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की।

कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण समर्पण का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा है। इसलिए इस चुनौती का शीघ्र समाधान करना बहुत

आवश्यक है। इसी प्रकार खाद्यान्नों, फलों व सब्जियों के रख रखाव दौरान होने वाली भारी शक्ति को कम करने के लिए इनके प्रसंगकरण एवं उत्पाद बनाने के लिए उद्योग की बहुत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा।

कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने हक्किवि के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व डाइर्लैंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीविजन नेटवर्क और इन्यूब्रेशन सेंटर, कृषि पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा किया और प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।



हिसार। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ चर्चा करते हुए प्रो. सातोशी तोबिता

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम
भौति भास्कर

दिनांक 13. 2. 2019. पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-3

एचएयू व कैंब्रिज विवि के एक्सपर्ट ने दिखाई आगे बढ़ने की राह वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमियता हित्य पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण शुरू किया।

मास्टर न्दुज | हिंदा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वेंकट सिंह दीर्घा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इलैंड की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंडकर विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि डॉ. सहजलत ने कहा कि कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुणालाश है। कृषि और संबद्ध थेट्र भारतीय अधिकारियों के सात विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल 1.3 अरब भारतीयों के स्थान और पोषण संरक्षणी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं अपेक्षा डिपार्टमेंट, रोजगार और मांग उत्पाद करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा कृषि थेट्र की पृष्ठभूमि गरीबी को कम करने और अधिकारियों को सुदृढ़ करने में भले प्रकार से स्वयंपूर्ण है।



एचएयू में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहजलत एवं अन्य अधिकारियों के साथ प्रशिक्षित छात्र-छात्राएं

प्रशिक्षण में शामिल हुए 30 कृषि स्नातक : वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप आर्य ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभावितों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में 30 कृषि स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान उन्हें डिप्पो के बाद स्वयं का व्यवसाय शुरू करने व कुशल उद्यमी बनने के लिए पारंगत किया जाएगा। कार्यक्रम में सहानिदेशक छात्र कल्याण डॉ. जीत गुप्त व डॉ. ओमेन्द्र सांगवान, डॉ. आरके नानवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. ज्ञानराज राथ और डॉ. मीनांशी उपस्थित रहे।

युवाओं के पास जानकारी का अमाव

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंडकर ने कहा कि अधिकारियों द्वारा शिक्षित युवाओं के पास नवान विचार हैं, मगर अमातीर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधारं नहीं हैं। इसके अलावा उन्हें तकनीक और प्रमाणिकरण प्रक्रियाओं और उन्हें कार्यान्वयन के बारे में पता नहीं है। उनमें से कई नए कौशल हासिल करने और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अनुभव हासिल करने की इच्छा रखते हैं। इन युवाओं को कृषि और संबद्ध सेक्टर में आत्मविश्वास और कुशल डिप्पियों के रूप में उभरने के लिए यह प्रशिक्षण बहलत्पूर्ण है। इस प्रशिक्षण की उपरेक्षा कृषि संसाक्षों को नौकरी तलाशने वालों की नहीं बल्कि विद्यार्थियों को नौकरी देने का रूप में तैयार करने के अनुकूप बनाई है। उन्होंने कृषि उद्यमियों को बदला देने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षणों के आयोजन को लाभकारी बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम डॉ. भारतीय ला
दिनांक ।३।२।२०।९ पृष्ठ सं. ६ कॉलम ६।८



अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत एवं अन्य अधिकारियों के साथ प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं। - अमर उजाला

कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण : डॉ. सहरावत

अमर उजाला व्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से मंगलवार को छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमिता विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, जबकि छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इंलैंड की कैबिनेट यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंगवलू इस मौके पर विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्य अतिथि डॉ. सहरावत ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षणों द्वारा युवा कृषि विद्यार्थियों में नए विचारों को मूर्त रूप प्रदान किया जा सकता

एवं यू में कृषि उद्यमिता विषय पर शुरू हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

है। बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुणाइश है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल 1.3 अरब भारतीयों के खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, बल्कि उत्पादन, रोजगार और मांग उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा कृषि क्षेत्र की भूमिका गरीबी को कम करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भली प्रकार से स्थापित है। कैबिनेट यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंगवलू ने कहा कि अधिकांश बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास नवीन विचार हैं, लेकिन आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत

30 विद्यार्थी ले रहे भाग

वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप आर्य ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में 30 कृषि स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। इस दौरान उन्हें डिग्री के बाद स्वयं का व्यवसाय शुरू करने व कुशल उद्यमी बनने के लिए पारंगत किया जाएगा। कार्यक्रम में सह निदेशक छात्र कल्याण डॉ. जीतराम व डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. आरके नानवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. जगबीर गवत और डॉ. मीनाक्षी उपस्थित थीं।

संरचना सुविधाएं नहीं हैं। उन्हें तकनीक और प्रमाणीकरण प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन के बारे में पता नहीं है। उनमें से कई नए कौशल हासिल करने और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अनुभव हासिल करने की इच्छा रखते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब के सरी
दिनांक 13. 2. 2019. पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-3.....

उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण जरूरी : सहरावत



अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत एवं अन्य अधिकारियों के साथ प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं

हिसार, 12 फरवरी (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमिता विषय पर 2 सप्ताह का प्रशिक्षण आरंभ हुआ। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत मुख्य अतिथि थे। छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इंगलैंड की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर डा. मदन थंगवलू ने कहा कि अधिकांश वेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास नवीन विचार हैं लेकिन आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधाएं नहीं हैं।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्य अतिथि डा. सहरावत ने कार्यक्रम में बोलते हुए कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षणों के आयोजन को लाभकारी बताया। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर डा. मदन थंगवलू ने कहा कि अधिकांश वेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास नवीन विचार हैं लेकिन आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधाएं नहीं हैं।

इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया ने विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए रोजगार संबंधी किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डा. संदीप आर्य ने बताया कि प्रशिक्षण में 30 कृषि स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में सहनिदेशक छात्र कल्याण डा. जीत राम व डा. ओमेन्द्र सांगवान, डा. आर.के. नानवाल, डा. पवन कुमार, डा. जगबीर रावत और डा. मिनाक्षी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

• १५२९ प लम्ह

दिनांक १२. २. २०१९ पृष्ठ सं. ५ कॉलम २-६

जानकारी हक्किय में कृषि उद्यमिता विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण शुरू

युवाओं के लिए कृषि में रोज़गार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश : डॉ. सहरावत

दिल्ली पास न्यूज़, दिसंबर: हरीगढ़ा
कूरी विधिविभाग के द्वारा कल्पना
विभाग द्वारा कूरी महाविभाग के
पर्यावरण विभाग के समर्थन से यात्रा-
एकड़हों के लिए कूरी उत्तमिक्षा
विभाग पर दो सदाच का प्रशिक्षण आयो
जिता।

Figure 1: Comparison of various methods for the estimation of the parameters of the model.

आवश्यकतामुखी के सातवें विभाग के लिए
महत्व प्रदान करती है। यह ने विभाग 1.3
आवश्यकतामुखी के स्थान और संस्करण
मध्यमे आवश्यकतामुखी को पूरा करने
के अधिकार दिया है, जो विभाग और विभाग
उत्तराधिकारी को महाराष्ट्र शासन देते
हैं। इसके अन्तर्गत कृषि क्षेत्र की
परिवर्तनीयता को इस उत्तराधिकारी

पूर्ण रूप से अधिक विश्वास की जगह अधिक विश्वास की जगह लेने में भली प्रकार से सफलता है।

पर कृषि और सहाय्य विधियों में अधिकारीकृत इकाई तूक करने के लिए, नियोगिता और अधिकारीकृत संसदीय सुविधाओं नहीं है। इसके अलावा उन्हें लकड़ी और प्रायोजनिक प्रक्रियाओं और उनके बास्तविक्कनक के बारे में जाननी है। उनमें से कई हाल हासिल करने और प्रीतीश्वरी के

उपरोक्त यह अनुमान हासिल करने की
इच्छा रहती है। इन मुकाबलों की कृति
और संबंध योगों में अत्यधिकारा और
मुकाल उदाहरणों के रूप में उपरोक्ते
के द्वारा यह प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है। इस
प्रतिक्रिया की स्थोत्रक मूली मालकों की

नैतिक तात्पर्यने बदली की नई विद्यक विज्ञानियों को नैतिक प्रशंसनीयों के साथ में विस्तार करने के अनुकूल बदली है। उन्होंने कृषि उत्तमिति को बढ़ावा देने के लिए इस प्रबला के प्रशिक्षणों को अपेक्षितीय बढ़ावा देता है।

विभिन्न दृष्टियां द्वारा विवरणिकों के लिए संकेतान संस्थानी किस जल रहे प्रयासों की जानकारी ही उच्च प्रतिशततावधीयों को सहीतगार अनुसन्धान के लिए प्रेरित किया। यहाँ विभिन्न के वैज्ञानिक व